सांध्य दैनिक
4PM

यदि बोलने की स्वतंत्रता छीन ली जाये तो शायद गूंगे और मौन हम उसी तरह संचालित होंगे जैसे भेड़ को बलि के लिए ले जाया जा रहा हो।
-जार्ज वाशिंगटन

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 9 ● अंक: 53 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 28 मार्च, 2023

बंगले की खुशहाल यादें मेरे दिल... 8 | कांग्रेस राहुल की सजा के बहाने... 3 | भाजपा कम्युनिटी को भड़का... 7

अतीक को उम्रकैद

एमपी-एमएलए कोर्ट ने सुनाया फैसला

दो और को भी आजीवन कारावास, 1-1 लाख का जुर्माना भी लगा, अशरफ सहित 7 बरी

उमेश पाल अपहरण मामला

1997 में पहली बार हत्या का केस

44 साल, में 101 मुकदमे

52 केस अब भी लंबित

2017 से जेल में बंद

1989 में राजनीति में आया

» कोर्ट के बाहर रही सुरक्षा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। उमेश पाल अपहरण मामले में प्रयागराज की एमपी-एमएलए कोर्ट ने फैसला सुना दिया है। मामले में अतीक अहमद समेत तीन लोगों को उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। साथ ही 1-1 लाख का जुर्माना भी लगाया है। जबकि सात को बरी कर दिया है। जिसमें अतीक का भाई अशरफ शामिल है। इससे पहले कोर्ट ने पूर्व सांसद को दोषी करार दिया । कोर्ट में इस मामले के कुल 10 आरोपियों को पेश किया गया। 11 में से 10 आरोपी मौजूद रहे जबकि एक आरोपी का निधन हो चुका है। आरोपियों में अतीक अहमद, अशरफ अहमद, दिनेश पासी, जावेद, इसरार, फरहान, खान सौलत हनीफ, आबिद प्रधान, आशिक उर्फ मल्ली और एजाज अख्तर शामिल थे।

इससे पहले माफिया से नेता बने अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ अहमद को लेकर पुलिस प्रयागराज की एमपी-एमएलए कोर्ट पहुंची। कोर्ट के बाहर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई दी गई थी। वहीं एमपी-एमएलए कोर्ट में जाने के लिए अधिवक्ता और पुलिस प्रशासन के बीच नोंकझोक हो गई। जज दिनेश चंद्र शुक्ल कोर्ट रूम में सुनवाई चली। इससे पहले वरिष्ठ जेल अधीक्षक कार्यालय के पास माफिया अतीक अहमद उसका भाई अशरफ और फरहान का मेडिकल कर कागजी कार्रवाई पूरी की गई। अतीक और अशरफ की तरफ से 19 वकीलों ने जिरह किया।

कोर्ट ने 2009 में आरोप तय किए

धूमनगंज पुलिस ने उमेश पाल की तहरीर पर आईपीसी की धारा 147, 148, 149, 364, 323, 341, 342, 504, 506, 34, 120बी और सेवन सीएल अमेंडमेंट एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान जावेद उर्फ बज्जू, फरहान, आबिद, इसरार, आसिफ उर्फ मल्ली, एजाज अख्तर का नाम सामने आया। पुलिस की रिपोर्ट दाखिल होने के बाद कोर्ट ने 2009 में आरोप तय कर दिए।

फैसले का स्वागत : उमेश की पत्नी

उमेश पाल की पत्नी जया पाल ने कहा कि वह कोर्ट के फैसले का वह स्वागत करेंगी। उन्होंने अपने पति की हत्यारों को फांसी की सजा देने की मांग की है। इसस पहले उन्होंने कहा था मै यही उम्मीद करती हूं कि उसको(अतीक अहमद) फांसी की सज़ा दिलाई जाए। जब तक जड़ खत्म नहीं होगी तब तक कुछ नहीं हो पाएगा। हम डर के साए में जी रहे हैं।

फांसी से कम सजा न हो : उमेश की मां

फैसले पर प्रयागराज में उमेश पाल की मां शांती देवी ने कहा कि कोर्ट ने अपहरण मामले जो सजा सुनाई है उसका हम स्वागत करते हैं। अब लेकिन कोर्ट से निवेदन है कि मेरे बेटे की तो हत्या हो चुकी है उसमें जो भी दोषी है उसे फांसी दी जाए। इससे पहले उन्होंने कहा मेरे बेटे ने बहुत संघर्ष किया है। जेल उसका (अतीक अहमद) घर है और वहां से वो कुछ भी करा सकता है। प्रशासन ने अभी तक जो भी कुछ किया है उससे हम संतुष्ट हैं। मेरी यही मांग है कि उसको फांसी की सजा हो।

अतीक को सुप्रीम कोर्ट से भी झटका

» सुरक्षा की मांग वाली याचिका पर हाईकोर्ट जाने को कहा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को माफिया अतीक अहमद की उस याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया, जिसमें उसने अपनी जान को खतरा बताते हुए सुरक्षा की मांग की थी। कोर्ट ने कहा अतीक के वकील को इलाहबाद हाईकोर्ट जाने के लिए कहा। संरक्षण के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। अहमदाबाद जेल में बंद गैंगस्टर अतीक अहमद ने संरक्षण के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी।

उमेशपाल हत्याकांड के बाद कार्रवाई और भाजपा नेताओं के आक्रामक बयान के बीच अतीक अहमद का कदम सामने आया था।

अतीक ने मांग की थी कि उसे गुजरात से किसी दूसरे जेल में न भेजा जाए। सपा के पूर्व नेता अतीक अहमद ने सुप्रीम कोर्ट से अपनी सुरक्षा का अनुरोध करते हुए दावा किया था कि उसे अपनी जान का खतरा है। इस समय अहमदाबाद केंद्रीय जेल में बंद अतीक अहमद ने यह सुनिश्चित करने का निर्देश देने का भी अनुरोध किया है कि पुलिस हिरासत या पूछताछ के दौरान उसे किसी भी तरह से शारीरिक नुकसान नहीं पहुंचाया जाए। अतीक ने उत्तर प्रदेश राज्य और अन्य को अहमदाबाद की केंद्रीय जेल से प्रयागराज या उत्तर प्रदेश के किसी अन्य हिस्से में उसे नहीं ले जाने का निर्देश देने का भी अनुरोध किया था।

राहुल गांधी की सेना मुंहतोड़ जवाब देगी : भूरिया

विक्रांत बोले-यह सेना सावरकर की नहीं जो गिरफ्तारी से डर जाए

» कहा- मप्र में सबसे ज्यादा आदिवासी जेल में हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मप्र युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष विक्रांत भूरिया ने भाजपा सरकार पर बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि हम राहुल गांधी की सेना है। सावरकर की नहीं है, जो गिरफ्तारी से डर जाए। विक्रांत भूरिया ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा सरकार पुलिस पर दबाव बनाकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नेताओं पर असंवैधानिक और गलत तरीके से कार्यवाही की जा रही है।

उन्होंने कहा कि देश और प्रदेश में जिस तरह भाजपा द्वारा अराजकता का माहौल बनाया जा रहा है, उससे प्रदेश का लोकतंत्र खतरे में हैं। हम राहुल गांधी की सेना हैं, सावरकर की नहीं, जो भाजपा के दबाव में पुलिस की असंवैधानिक कार्यप्रणाली से डर जायें। भूरिया ने कहा कि भाजपा की एक ही नीति है, न नियम न कायदा, काम वहीं करती है, जिसमें हो भाजपा को फायदा। भूरिया ने कहा कि प्रदेश में 24 प्रतिशत आदिवासी हैं। चाहे नेमावर की घटना हो या प्रदेश में अलग अलग जिलों में आदिवासियों पर हो रही अन्य घटनाएं हो। भाजपा सरकार आदिवासियों पर लगातार प्रहार कर रही हैं। यही नहीं मप्र में सबसे ज्यादा आदिवासी जेल में हैं। भाजपा सरकार आदिवासियों के ऊपर झूठे प्रकरण का दर्ज कर उन्हें फंसाया जा रहा है। आदिवासी विरोधी भाजपा सरकार का दोहरा चरित्र देश और प्रदेश की जनता देख रही हैं।

कोर्ट ने भूरिया को दी जमानत

बता दें राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता समाप्त होने के विरोध में युवक कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष विक्रांत भूरिया ने अपने अन्य साथियों के साथ रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पर ट्रेन रोक दी थी। इस मामले में जीआरपी पुलिस ने भूरिया समेत 15 के खिलाफ केस दर्ज किया था। रविवार को जीआरपी पुलिस ने विक्रांत को झाबुआ से गिरफ्तार कर रेलवे की विशेष कोर्ट में पेश किया था। जज ने गिरफ्तारी को असंवैधानिक बताते हुए भूरिया को रिहा कर दिया था।

यूपी सरकार भाषणों की सरकार : कांग्रेस

» कोरोना संक्रमितों की बढ़ रही संख्या स्वास्थ्य विभाग बना लापरवाह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की सरकार भाषणों की सरकार बन कर रह गई है, जिसमें उपमुख्यमंत्री जिनके पास स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग है, जो पूरी तरह लापरवाही से परिपूर्ण है। लापरवाही का आलम यह है कि कोरोना संक्रमित केस मिलने शुरू हो गये हैं, वहीं पर एम्बुलेंस न मिलने के कारण मजदूर दम तोड़ रहे हैं तथा शव ठेलिया पर ले जाने के लिए परिजन मजबूर हैं। निजी अस्पतालों में लापरवाही का आलम यह है कि मरीज जहां दम तोड़ दे रहें हैं वहीं स्वास्थ्य विभाग जांच की बात कर अपनी जिम्मेदारियों से मुक्त हो जा रहा है।

उत्तर प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता कृष्णकांत पाण्डेय ने बताया कि लखीमपुर खीरी में कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय की एक महिला शिक्षक सहित 36 छात्राएं कोरोना संक्रमित मिली जबकि इसके पूर्व में भी कई छात्राएं संक्रमित मिल चुकी थीं। प्रदेश सरकार तब संज्ञान लेती है जब घटना घटित हो जाती है। पूरे प्रदेश में 48 नये मरीज एक दिन में मिले हैं जो संख्या बढ़कर लगभग 250 के आस पास हो गई है। लखनऊ में ही एक दिन में 6 लोगों की रिपोर्ट पॉजिटिव पाई गई है जिसे लेकर लखनऊ में अब कुल 24 सक्रिय संक्रमित हैं।

भाजपा जरूरी मुद्दों से भटका देती है : अखिलेश यादव

» आने वाले चुनाव में सपा देगी पटखनी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिेश यादव ने एकबार फिर बीजेपी व राज्य सराकर पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि भाजपा मुद्दों से भटकाने के लिए ऐसे मुद्दे उठाती है जो धर्म के नाम होते हैं। सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने गांधी से कहा कि भाजपा को हटाने के लिए आगामी लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को क्षेत्रीय पार्टियों का समर्थन करना चाहिए।

माफिया अतीक अहमद के मामले पर भी बेबाकी से कहा कि सरकार को यह बताना चाहिए कि फूलपुर संसदीय उपचुनाव में अतीक के पर्चा भरने के लिए जरूरी कागज भाजपा के किस नेता ने पूरे करवाए। भाजपा इस तरह के मामले इसलिए उठाती है कि महंगाई, बेरोजगारी और बढ़ते अपराधों से आम जनता का ध्यान हटा सके। जनता को प्रदेश में निवेश की हकीकत बताने से बच सके। सपा का गठन, भाजपा और कांग्रेस के खिलाफ हुआ है। हम डॉ. राममनोहर लोहिया, डॉ. भीमराव अंबेडकर और नेताजी (मुलायम सिंह यादव) के सिद्धांतों पर चलने वाले हैं। आज पूरा देश बदलाव चाहता है। तमिलनाडु में स्टालिन, तेलंगाना में के. चंद्रशेखर राव, पश्चिमी बंगाल में ममता बनर्जी की पार्टी मजबूत हैं। यूपी में सपा मुख्य विपक्षी दल है। इसलिए जिस राज्य में जो क्षेत्रीय पार्टी मजबूत है, कांग्रेस को वहां उस पार्टी को समर्थन करना चाहिए।

दिल्ली पर अंकुश लगाना चाहता है केन्द्र

» विधानसभा अध्यक्ष ने कहा- सचिवालय अपने खर्च के लिए वित्त विभाग पर निर्भर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। विधानसभा अध्यक्ष राम निवास गोयल ने दिल्ली सरकार के वित्त विभाग पर शक्तियों पर अंकुश लगाने का आरोप लगाया है। उन्होंने सदन में कहा कि दिल्ली विधानसभा के गठन के 30 साल बाद भी दिल्ली विधानसभा सचिवालय अपने खर्च के लिए वित्त विभाग पर निर्भर है।

इनकी शक्ति समिति है और अब वित्त विभाग ने घोषणा की है कि विधि सचिव, दिल्ली विधानसभा के प्रशासनिक सचिव और एचओडी होंगे जबकि विधि विभाग ने स्पष्ट किया है कि विधि विभाग विधानसभा का प्रशासनिक विभाग नहीं है और न ही हो सकता है। उन्होंने कहा कि लोकसभा के महासचिव ने दिल्ली विधानसभा को वित्तीय स्वायत्तता प्रदान करने के लिए अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन की सिफारिश की जानकारी मुख्य सचिव को दी थी बावजूद वित्त विभाग शक्तियों पर अंकुश लगा रहा है। उन्होंने दिल्ली के वित्त मंत्री से इस मुद्दे पर विचार करने को कहा है। सदन में बजट पर चर्चा के दौरान भाजपा विधायक अभय वर्मा व मंत्री कैलाश गहलोत के बीच जमकर नोकझोंक हुई। मामला इतना बढ़ा कि भाजपा विधायक को विधानसभा अध्यक्ष ने मार्शल आउट कर दिया। चर्चा में भाजपा विधायक ने नई आबकारी नीति मामले में आरोप लगाया कि इससे दिल्ली सरकार को करोड़ों रुपये का घाटा हुआ है।

माफी मांगे मोदी: जरनैल सिंह

आप विधायक जरनैल सिंह ने सदन में मुद्दा उठाया कि प्रधानमंत्री से जुड़े पोर्टल पर सिख आतंकवादी शब्द का जिक्र है। कहा कि यह गंभीर मुद्दा है। इस मुद्दे को लेकर उन्हें माफी मांगनी चाहिए। यह मुद्दा उठते ही सदन में जमकर हंगामा हुआ। भाजपा विधायकों ने विधायक जरनैल सिंह से माफी मांगने की बात की। काफी देर तक हुए हंगामे के बाद विधानसभा अध्यक्ष राम निवास गोयल ने कहा कि यदि यह मुद्दा गलत है तो आप विधायक पर कार्रवाई हो सकती है। भाजपा विधायक आप विधायक के लगाए गए आरोप को झूठा साबित करने का सुबूत पेश करें।

ई. पलानीस्वामी चुने गए एआईएडीएमके के महासचिव

» मद्रास हाईकोर्ट ने खारिज की ओ पनीरसेल्वम की याचिका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। मद्रास हाईकोर्ट ने एआईएडीएमके से निकाले गए नेता ओ पनीरसेल्वम की याचिका खारिज कर दी है। बता दें कि ओ पनीरसेल्वम और उनके समर्थकों ने 11 जुलाई के पार्टी की जनरल काउंसिल के प्रस्ताव के खिलाफ यह याचिका दायर की थी, जिसमें ओ पनीरसेल्वम और उनके समर्थकों को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखाया गया था। वहीं कोर्ट द्वारा ओ पनीरसेल्वम की याचिका खारिज करते ही ई पलानीसामी का पार्टी का नया महासचिव चुन लिया गया है।

बता दें कि ओ पनीरसेल्वम ने एआईएडीएमके की आम परिषद के गठन और ई पलानीस्वामी के पार्टी महासचिव चुने जाने को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। हालांकि कोर्ट ने याचिका खारिज कर दी। एआईएडीएमके पार्टी के वकील आईएस इंबादुरई ने बताया कि अदालत ने पार्टी के महासचिव चुनाव के खिलाफ दायर सभी याचिकाएं खारिज कर दी हैं।

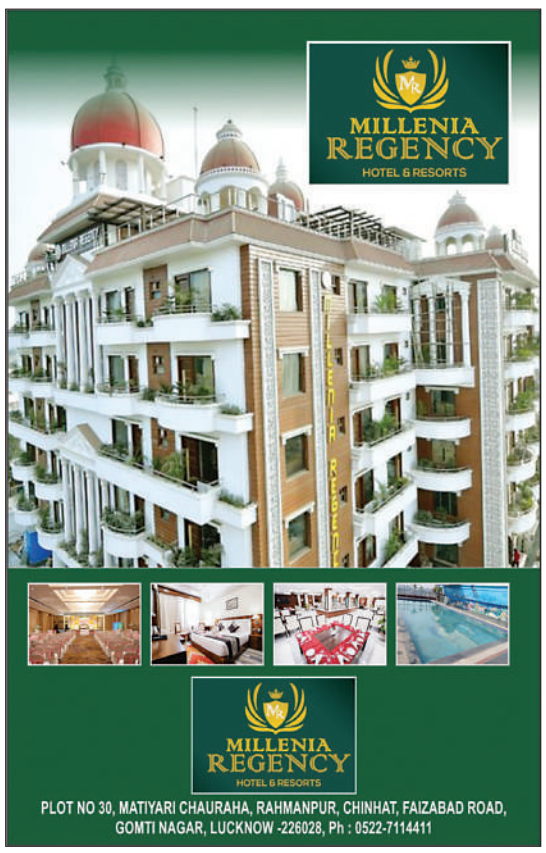

2024 लोस चुनाव का मिल गया मुद्दा !

कांग्रेस राहुल की सजा के बहाने मोदी को घेरगी

भाजपा ओबीसी अपमान पर होगी हमलावर

» अन्य दलों ने भी सजाने शुरू किए बिसात

» चुनाव में लाभ-हानि पर नजर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राहुल की लोकसभा सदस्यता जाने के फैसले ने सियासी दलों को एक मुद्दा पकड़ा दिया। जिस तरह से कांग्रेस इस मुद्दे पर आक्रामक हुई उससे तो लगता है आने वाले विधानसभा व लोकसभा चुनाव वह इसको और हवा देगी। उधर भाजपा भी ओबीसी के अपमान से इसे जोड़कर पूरे दमखम से जनता के बीच उठाने की फिराक में है। मुद्दा आने समय में अभी और गरमाएगा क्योंकि अब कांग्रेस की ओर पूरे देश में ये संदेश देने का प्रयास किया जा रहा है कि भाजपा शहीद परिवार का अपमान कर रही है क्योंकि अपने संबोधन में कांग्रेस महासचिव ने कहा कि उनकी दादी व पिता ने देश के लिए जान दे दी है और अपने खून से इस देश को सींचा है। उधर भाजपा ने अपने ओबीसी सांसदों आगे करना शुरू कर दिया और अब वह पूरे देश में राहुल के खिलाफ प्रदर्शन करेंगे।

ज्ञात हो कि राहुल को सजा सुनाते ही यह भी तय हो गया है कि आगामी लोकसभा चुनाव में कांग्रेस इसको बड़ा मुद्दा बनाएगी, राहुल को इस मामले को सियासी जामा नहीं पहनाना होता तो राहुल कोर्ट में माफी मांग कर बच सकते थे, जैसा वह पहले कर चुके हैं, लेकिन इस बार उन्होंने ऐसा नहीं किया यानी कांग्रेस ने इस फैसले को सियासी मसला बनाने का मन बना लिया है जिसकी तैयारी भी शुरू हो गई है। इसीलिए गुजरात की सूरत कोर्ट द्वारा जब राहुल गांधी को सजा सुनाई जा रही थी, तब ही कांग्रेसी राहुल के पक्ष में बाहर प्रदर्शन कर रहे थे। राहुल को सजा सुनाए जाने को लेकर प्रियंका वाड्रा सहित पूरी कांग्रेस एक्टिव मूड में आ गई है। राहुल को सजा पर सवाल खड़े किए जा रहे हैं। प्रियंका द्वारा कहा जा रहा है कि वह डरने वाले नहीं हैं। यानी अदालत के फैसलों पर से भी कांग्रेस का विश्वास उठता जा रहा है, जो एक गंभीर मसला है। सबसे खास बात यह है कि राहुल को सजा सुनाए जाने के चलते बीजेपी विरोधी वह नेता भी राहुल गांधी के साथ खड़े नजर आ रहे हैं जो हाल फिलहाल तक राहुल गांधी से दूरी बनाकर रखते थे, इसमें अरविंद केजरीवाल और अखिलेश यादव जैसे तमाम नेता शामिल हैं।

मोदी-राहुल के बीच की रार से किसको फायदा, किसे नुकसान हुआ की बात करें तो इस जंग का बीजेपी ने तो खूब फायदा उठाया, लेकिन कांग्रेस को इसके विपरीत परिणाम झेलने पड़े। कांग्रेस इस समय अपने इतिहास के सबसे बुरे दौर से गुजर रही है। उसके सांसदों की सख्या दहाई में सिमट कर रह गई है। वहीं भारतीय जनता पार्टी पूरे उत्थान पर है। सबसे खास बात यह है कि मोदी-राहुल की जंग में इनकी पार्टियां भी कंधे से कंधा मिलाकर साथ चल रही हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने राफेल विमान खरीद में दलाली और भ्रष्टाचार को लेकर लगाया था और चौकीदार चोर है' का नारा दिया था। कांग्रेस ने एक तरह से 2019 का लोकसभा चुनाव राहुल गांधी की अगुवाई में चौकीदार चोर है के नारे पर ही लड़ा था, लेकिन उसे चुनाव में खास लाभ नही हुआ था। अब अडाणी के मामले में आरोप लगाया जा रहा है। इसमें राहुल को कितनी सफलता मिलेगी यह 2024 के लोकसभा चुनाव के नतीजों से पता चलेगा। वैसे यहां यह याद दिलाना भी जरूरी है कि राहुल गांधी ने एक बार अपने विश्वासी मित्रों के बीच कहा भी था कि मोदी को हराने के लिए उनकी ईमानदार नेता वाली इमेज को तोड़ दिया जाए तो कांग्रेस के लिए किसी भी चुनाव में जीत की राह आसान हो सकती है।

भाजपा की जाल से बचें राहुल

कांग्रेस के सामने सबसे बड़ी दिक्कत है कि वह बीजेपी और मोदी को अपनी ओर से तैयार की गई सियासी पिच पर बैटिंग करने को मजबूर नहीं कर पा रहे हैं। पिछले दो आम चुनावों में बीजेपी ने अपने मनमाफिक पिच तैयार की। चुनावी जंग को मोदी बनाम अन्य के रूप में बदला और इस युद्ध में विजेता बनकर उभरी। दोनों ही बार मोदी बनाम अन्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ विपक्ष का प्रमुख चेहरा राहुल गांधी रहे। 2024 के आम चुनावों में बीजेपी एक बार फिर मोदी बनाम राहुल की पिच पर ही बैटिंग करने की कोशिश में है, लेकिन विपक्षी दल बीजेपी की इस कोशिश को समझ रहे हैं। बात राहुल गांधी की कि जाए तो राहुल गांधी के सलाहकार जिस तरह की सलाहें देकर उनसे जैसे बयान उनसे दिलवा रहे हैं, उससे देश में एक संदेश जरूर जा रहा है कि राहुल परिपक्व राजनेता नहीं हैं।

विपक्ष के अन्य दल भी सतर्क

एक तरफ मोदी और राहुल के बीच जुबानी जंग चल रही है तो दूसरी ओर गैर कांग्रेसी दलों के बीजेपी विरोधी नेता इसे बीजेपी की सियासी साजिश बता रहे हैं। इन नेताओं को लगता है कि भारतीय जनता पार्टी का शीर्ष नेतृत्व 2024 के लोकसभा चुनाव को मोदी बनाम राहुल बना करके चुनावी बढ़त बनाने की रणनीति बना रहा है। तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी तो यहां तक कहती हैं कि राहुल के जरिए बीजेपी, मोदी की टीआरपी बढ़ा रही है। लोकसभा चुनाव अगर मोदी बनाम राहुल के बीच फंस जाता है तो इसका भरपूर फायदा भारतीय जनता पार्टी को मिलेगा और उसकी सत्ता में पुनः वापसी हो जाएगी क्योंकि आज की तारीख में मोदी के सामने राहुल गांधी कहीं टिकते नहीं हैं। राहुल का ब?बोलापन बीजेपी के लिए प्लस प्वाइंट साबित हो रहा है। राहुल गांधी जितना बोलते हैं उतना बीजेपी को फायदा होता है।

ममता-अखिलेश भी होंगे महत्वपूर्ण

बीते दिनों तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी और समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव की कोलकता में मुलाकात हुई थी। अखिलेश ने अबकी से कोलकाता में समाजवादी पार्टी की कार्यकारिणी की बैठक बुलाई थी। जहां वह ममता बनर्जी से भी मिले थे और गैर कांग्रेसी-गैर बीजेपी तीसरा मोर्चा बनाने की ममता से चर्चा की थी। इन दिनों जब भाजपा इस बात पर जोर दे रही है कि राहुल गांधी लंदन वाले अपने बयान के लिए माफी मांगें तब कांग्रेस यह बताने में लगी हुई है कि 'वह सावरकर नहीं हैं।' सावरकर को कोसना राहुल गांधी का प्रिय शगल है, लेकिन इसमें संदेह है कि वह अपने इस शगल से एक मजबूत नेता के तौर पर अपनी छवि स्थापित करने में समर्थ हो जाएंगे। वास्तव में वह अपनी ऐसी छवि बना ही नहीं पा रहे हैं और इसीलिए वे विपक्ष की ताकत नहीं बन पा रहे हैं। कांग्रेस के लिए यह कहना मजबूरी हो सकती है कि राहुल भविष्य के नेता हैं, लेकिन विपक्ष ऐसा कुछ कहना जरूरी नहीं समझ रहा।

भारत जोड़ो यात्रा से मिलेगा लाभ

भारत जोड़ो यात्रा में राहुल की भागीदारी को लेकर चाहे जितनी प्रशंसा की जाए, इस यात्रा के समाप्त होने के बाद के घटनाक्रम ने उनकी छवि को वैसा ही बना दिया है, जैसी इस यात्रा के पहले थी। अपनी इस छवि के साथ वह कांग्रेस के सर्वोच्च नेता बने रह सकते हैं, लेकिन विपक्ष के नहीं बन सकते। यह मानने के अच्छे-भले कारण हैं कि एक-एक करके विपक्षी नेता इसी निष्कर्ष पर पहुंचते जा रहे हैं। ममता बनर्जी ने कहीं ना कहीं कांग्रेस को आईना दिखाया लेकिन कांग्रेस यह बात समझने की जगह ममता पर हमलावर हो गई है। बंगाल कांग्रेस अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी ने ममता पर पलटवार करते हुए यह कह दिया कि प्रधानमंत्री मोदी और उनके बीच राहुल को बदनाम करने के लिए समझौता हुआ है। उनकी मानें तो ममता बनर्जी स्वयं को ईडी और सीबीआई की कार्रवाई से बचाना चाहती हैं, इसलिए कांग्रेस के खिलाफ हो गई हैं। इस आरोप-प्रत्यारोप से यदि कुछ स्पष्ट है तो यही कि कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस करीब नहीं आने वालीं। लब्बोलुआब यह है कि भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस या यूं कहें कि मोदी और राहुल के बीच इस समय सियासी घमासान छिड़ा हुआ है। इस घमासान की नित्य नई स्क्रिप्ट लिखी जाती है। दोनों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का जो दौर चल रहा है वह वर्षों बाद भी थमने का नाम नहीं ले रहा है। मोदी-राहुल के बीच कटाक्ष और आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला 2014 के लोकसभा चुनाव के कुछ समय बाद शुरू हुआ था और दस वर्षों के बाद 2024 के चुनाव करीब आने तक जारी है। अब तो यह लड़ाई संसद तक में पहुंच चुकी है। राहुल गांधी के विदेश में दिए गए कुछ विवादित बयानों को आधार बनाकर बीजेपी उन पर न केवल हमलावर है, बल्कि राहुल से संसद में माफी की मांग करते हुए सत्ता पक्ष संसद की कार्रवाई भी नहीं चलने दे रहा है, इसके उलट कांग्रेस मोदी-अडाणी पर भ्रष्टाचार का आरोप लगा कर इसकी जांच के लिए संयुक्त संसदीय कमेटी बनाए जाने को लेकर अड़ी हुई है। यही वजह है कि 13 मार्च से शुरू हुए बजट सत्र कामकाज बिलकुल ठप्प पड़ा है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

इस फैसले से मिलेगी राहत

बैंक लोन मामले में सुप्रीम कोर्ट ने अहम फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि जब तक लोन लेने वालों का पक्ष सुना ना जाए, तब तक उनके खातों को फ्रॉड घोषित नहीं किया जाएगा। ये आमजन के हित वाला फैसला है। जबसे देश में ईएमआई का चलन बढ़ा है ऋण लेने वालों की संख्या भी बढ़ी है। कभी-कभी ऐसा होता है कर्जदाता समय से ईएमआई नहीं दे पाता है तो बैंक या फाइनेंस कंपनियां उनको मानसिक रूप परेशान करती हैं। कभी-कभी ये इतने घातक हो जातें हैं कि ऋण लेने वाले की जान पर बन जाती है। गौरतलब हो कि बिना सुनवाई का अवसर दिए लोन लेने वालों के खातों को फ्रॉड के वर्गीकरण से गंभीर सिविल परिणाम होते हैं। ये एक तरह से लोन लेने वालों कोब्लैक लिस्ट में डालने के समान है। इसलिए धोखाधड़ी पर मास्टर निदेशों के तहत उधारकर्ताओं को सुनवाई का अवसर दिया जाना चाहिए।

कोर्ट ने कहा कि ऑडी अल्टरम पार्टेम के सिद्धांतों को भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा बैंक खातों के धोखाधड़ी खातों के वर्गीकरण पर जारी नोटिफिकेशन में पढ़ा जाए। इस तरह का फैसला एक तर्कपूर्ण आदेश द्वारा किया जाना चाहिए। यह नहीं माना जा सकता कि मास्टर सर्कुलर प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों को बाहर करता है। भारत के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति हिमा कोहली की पीठ ने दिसंबर 2020 में तेलंगाना हाईकोर्ट द्वारा दिए गए फैसले को बरकरार रखा है। पीठ ने गुजरात हाईकोर्ट के उस फैसले को भी रद्द कर दिया, जो इसके विपरीत था। तेलंगाना हाईकोर्ट ने कहा था, ऑडी अल्टरम पार्टेम का सिद्धांत यानी पक्ष को सुनवाई का अवसर देना, चाहे कितना भी छोटा क्यों न हो, किसी पार्टी को धोखेबाज कर्जदार या धोखाधड़ी वाले खाते के धारक के रूप में घोषित करने से पहले लागू किया जाना चाहिए। कई बार लोग क्रेडिट कार्ड के चक्कर में ज्यादा खरीदारी कर जाते हैं। इसमें बकाया राशि के भुगतान के लिए 30 दिनों का समय मिलता है। ऐसे में कई बार लोगों का खर्चा ज्यादा हो जाता है। क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करने वाले बहुत से लोग ऐसे हैं जो समय पर अपने कार्ड का पेमेंट करना भूल भी जाते हैं। इसकी वजह से पेमेंट में देरी का जुर्माना और बकाया राशि बढ़ जाती है। इसीलिए एक्सपर्ट क्रेडिट कार्ड) के सभी लोन का भुगतान ड्यू डेट से पहले चुकाने की सलाह देते हैं। इसकी वजह है कि क्रेडिट कार्ड की ब्याज दरें सालाना 36 फीसदी तक पहुंच सकती हैं। अगर आपके कार्ड पर बकाया राशि ज्यादा है और आप इसका एक बार में भुगतान करने में असमर्थ हैं तो आप आसान सी मासिक किस्तों पर भी भुगतान कर सकते हैं। इस फैसले से लोगों को कुद राहत मिलेगी।

कभी-कभी ऐसा होता है कर्जदाता समय से ईएमआई नहीं दे पाता है तो बैंक या फाइनेंस कंपनियां उनको मानसिक रूप परेशान करती हैं। कभी-कभी ये इतने घातक हो जातें हैं कि ऋण लेने वाले की जान पर बन जाती है। गौरतलब हो कि बिना सुनवाई का अवसर दिए लोन लेने वालों के खातों को फ्रॉड के वर्गीकरण से गंभीर सिविल परिणाम होते हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

क्या म्यूट हो रहा है लोकतंत्र?

दयानन्द मिश्र 'शुभम'

एक बार एक आदमी डॉक्टर के पास गया और बोला डॉक्टर साब शरीर में जहां उंगली लगाता हूं वहां दर्द होता है। डॉक्टर ने पूरे शरीर को चेक किया तो पता चला समस्या शरीर में नहीं, उंगली में है। ठीक वैसे ही 2014 के बाद वाली भाजपा ये बात बहुत पहले समझ गई थी कि सच और सत्ता के बीच में जो मैकनिज्म आ रहा है वो है लोकतंत्र। दरअसल लोकतंत्र ही वो उंगली है जो समूचे विपक्ष, जनता, मीडिया और अन्य संगठन जो विपक्ष की भूमिका में हैं उनको ऑक्सीजन दे रहा है। तो क्या जिस जनता के लिए, जनता के द्वारा और जनता के शासन वाली प्रक्रिया से भाजपा सत्ता में आई थी अब उसी तंत्र को म्यूट कर देना चाहती है? ये सवाल लगातार विपक्ष के द्वारा उठाया जा रहा है कि सरकार लोकतंत्र का अंत्येष्टि कर देना चाहती है।

संसद में जनता के सवाल पर माइक म्यूट कर देती है तो सड़क पर सवाल पूछने वालो के यहां सरकारी एजेंसियों को भेज कर ताकत का गलत दुरुपयोग कर रही है। ताजा घटना का जिक्र करें तो जिस तरीके से राहुल गांधी की संसद सदस्यता रद्द की गई, ये लोकतंत्र को म्यूटतंत्र में बदलने का खुला उद्घोष सा लगता है। आखिर क्या राहुल को इसलिए संसद से म्यूट करा दिया गया क्योंकि वो लगातार सरकार से अडानी, चीन, अर्थव्यवस्था, क्रोनी कैपटलिज्म,महंगाई और बेरोजगारी पर सवाल पूछ रहे थे। ये सवाल इसलिए भी महत्वपूर्ण हो जाते है कि राहुल के संसद में दिए पिछले भाषण को 18 जगह से स्पंज किया गया।

भारतीय कानून और कोर्ट के फैसले का सम्मान है लेकिन जो कालक्रम है जिसका आरोप कांग्रेस भी लगा रही है। उसको लेकर जरूर संदेह किया जा सकता है की मानहानि के केस में पहली बार किसी नेता को जेल की सजा मुकर्रर किया गया और वो भी अधिकतम। 24 घण्टे के अंदर संसद सदस्यता को रद्द करना, जबकि सरकार को बड़ा दिल दिखाते हुए विपक्ष के नेता के तौर पर राहुल को ऊपरी अदालत में जाने का मौका दिया जा सकता था।

उसके बाद जो फैसला आता उस पर अयोग्यता का निर्णय लिया जाता तो न केवल भारतीय लोकतंत्र को बल मिलता बल्कि भाजपा और मोदी जी का कद भी बढ़ता। आश्चर्य इस बात पर भी है कि जिस कर्नाटक के कोल्हार में दिए भाषण पर राहुल को सजा हुई है। उस पर चुनाव आयोग ने

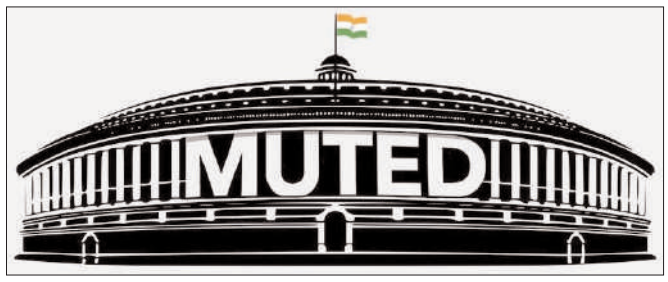

संज्ञान क्यों नहीं लिया? और सजा गुजरात के सूरत में मिला। गुजरात मॉडल का डंका 2014 से ही इस देश मे गूंज रहा है। मदर ऑफ डेमोक्रेसी को म्यूटतंत्र में बदलने को बल इस बात से भी मिल रहा है कि 2014 के पहले भाजपा, सरकार को घेरने के लिए जिन नारो का सहारा लेती थी अब उन्ही नारो और पोस्टर पर दिल्ली में एफआईआर व गिरफ्तारियां हो जाती है। कन्नड़ एक्टर के हिंदुत्व पर दिए बयान पर जेल हो जाता है, तो पवन खेड़ा को एयरपोर्ट से गिरफ्तार कर लिया जाता है। देश के प्रमुख जांच एजेंसियों के छापे विपक्ष के नेताओं पर ही क्यों पड़े रहे हैं? और ये वही नेता क्यों होते है जो लगातार सत्तापक्ष के खिलाफ मोर्चा खोले हुए है? क्या भाजपा के सभी नेता पाक साफ है? और अगर नहीं तो उनपर छापा क्यों नहीं? इसलिए कि वो म्यूट है? सवाल ये भी है कि विपक्ष में रहते जिन नेताओं पर आरोप लगता हैं वो भाजपा में आते ही आरोपमुक्त कैसे हो जाते है? एडीआर रिपोर्ट की ही माने तो देश मे 233 सांसदों के खिलाफ आपराधिक मुकदमे लंबित है जिनमे 159 सांसदों के खिलाफ हत्या, बलात्कार और अपरहण के गंभीर मामले लंबित है। जिनमें भाजपा के 116 सांसद दागी है। इन सांसदों पर कारवाई कब होगी? इन सारे मुद्दों पर विपक्ष लगातार हमलावर है। तो क्या इन कारवाइयों से विपक्ष के अंदर खौफ पैदा किया जा रहा है या सरकार अपने सत्ता के लिए इन नेताओं से खौफजदा है इसलिए करवाई कर रही है? परिणाम चाहे जो भी हो लेकिन एक बात तो स्पष्ट है सामान्य जन जो बहुत सारे समस्याओं से पहले से जूझ रहा है वो अब और डर जाएगा और हो सकता है कि सच बोलने से पहले कांपने भी लगे। अगर सरकार सच मे विपक्ष के म्यूटतंत्र के आरोप को खारिज करना चाहती है तो उसे जनता, छोटे मीडिया और सवाल पूछने वाले लोगो को भरोसा और ताकत देना होगा।

विपक्ष जो सवाल उठा रहा है उस पर प्रधानमंत्री सहित सरकार के शीर्ष लोगो को जवाब देना होगा। साबित करना होगा कि वो एक लोकतंत्र के प्रहरी के तौर पर काम कर रहे है और सभी प्रकार के आलोचनाओं को स्वीकार करते है क्योंकि लोकतंत्र जन और सत्ता के भरोसे से चलता है। अटल जी कहा करते थे सत्ता का खेल तो चलेगा, सरकारें आएंगी-जाएंगी, पार्टियां बनेगी बिगड़ेगी, मगर यह देश रहना चाहिए इस देश का लोकतंत्र अमर रहना चाहिए।

जल प्रबंधन में सुधार से दूर होगा संकट

एसके सरकार

संयुक्त राष्ट्र द्वारा निर्धारित सतत विकास ध्येय संख्या छह के तहत वर्ष 2030 तक हर व्यक्ति के लिए स्वच्छ जल की उपलब्धता और स्वच्छता को यकीनी बनाना है लेकिन उसे पूरा करने को लेकर दुनिया सही राह पर नहीं है। जरूरी है कि इस लक्ष्य की पूर्ति हेतु वैश्विक और अन्य संस्थान हाथ मिलाएं। वहीं नीति निर्माताओं व अन्य संबंधित पक्षों के साथ साझेदारी तथा सहयोग बनायें। वर्तमान में दुनियाभर में लगभग 220 करोड़ लोगों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध नहीं है। वहीं साल 2050 तक, पानी की मांग में 50 फीसदी से अधिक की बढ़ोतरी होने का अनुमान है। बढ़ता औसत वैश्विक तापमान, समुद्री जल स्तर में बढ़ोतरी और हिमखंड पिघलने के परिणाम स्वरूप बाढ़, झुलसाने वाली गर्मी, सूखा और तूफान बार-बार आने लगे हैं। संयुक्त राष्ट्र जल संस्था ने कहा है कि वर्ष 2001-18 के बीच आयी कुल प्राकृतिक आपदाओं में बाढ़ और सूखे का हिस्सा 74 फीसदी रहा। इसलिए आरंभिक चेतावनियों के प्रति हमारे रवैये में बदलाव लाने की जरूरत है ताकि आम लोगों में ग्लोबल वॉर्मिंग से बन रहे जल संबंधी संकट के प्रति जागरूकता बने। यदि औसत वैश्विक तापमान में बढ़ोतरी को औद्योगीकरण पूर्व के स्तर से अधिकतम 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित किया जाये, तो जलवायु परिवर्तन से होने वाली पानी की किल्लत को 50 फीसदी कम किया जा सकता है। नीति आयोग की रिपोर्ट (2019) के अनुसार, साल 2030 तक भारत में पानी की मांग इसकी आपूर्ति की तुलना में दोगुनी हो जाएगी। आर्थिक विकास, तेज शहरीकरण, जनसंख्या वृद्धि और जीवनशैली में बदलावों से पानी की मांग विभिन्न क्षेत्रों में बढ़ेगी। भारत पहले ही पानी की कमी वाला मुल्क है और निकट भविष्य में जल-संकटग्रस्त श्रेणी में आ जाएगा। पिछले कई सालों से पानी की प्रति व्यक्ति उपलब्धता घटती जा रही है। संयुक्त राष्ट्र सतत विकास ध्येय संख्या छह में जल से संबंधित गतिविधियों एवं कार्यक्रमों में संस्थागत सहयोग और क्षमता-निर्माण सहायता में विस्तार करने की बात कही गई है। इसमें वर्षा जल संचयन, खारे पानी से पेयजल, जल उपयोग दक्षता, अपशिष्ट जल उपचार, चक्रीकरण और पुन: बरतने की तकनीकों का इजाद इत्यादि शामिल हैं। जल प्रबंधन में सुधार के लिए महिलाओं सहित स्थानीय लोगों में सहयोग बनाने को सहायता प्रदान करने की आवश्यकता है।

भारतीय संविधान के मुताबिक, जल राज्य सरकारों का विषय है। इसमें केंद्र की भूमिका केवल नियमन और अंतर-राज्यीय नदियों के विकास कार्य तक सीमित है। संविधान में राज्यों को अपने हिसाब से जल आपूर्ति, सिंचाई, नहरें, तटबंध, जल भंडार और जल ऊर्जा परियोजनाएं बनाने की छूट है, लेकिन यह सब 21वीं सदी की जरूरतों के अनुरूप नहीं है। मसलन, एकीकृत जल स्रोत प्रबंधन, पर्यावरणीय प्रवाह, नदी घाटी प्रबंधन, जल-बाजार, अपशिष्ट जल पुनरुपयोग, आभासी जल व्यापार हेतु जल-पदचिन्ह बनाना इत्यादि। असल जल विषयक क्षेत्र में अनेक संस्थान साझा नजरिया रखे बिना काम कर रहे हैं। इस क्षेत्र के कामकाज के प्रति रवैये में एक योजनाबद्ध बदलाव लाना अपरिहार्य है।

जल कार्यक्रमों की शुरुआत बेशक केंद्र सरकार करती है लेकिन क्रियान्वयन राज्य सरकारों का काम है। विभिन्न कार्यक्रमों की सफलता के लिए केंद्र और प्रांतीय सरकारों के मध्य सहयोग की जरूरत है। जनवरी माह में भोपाल में आयोजित एक सम्मेलन में प्रधानमंत्री ने 'जल-दृष्टिपत्र-2047' की रूपरेखा बताते हुए इस बात पर जोर दिया कि जल के विषय में राज्य एवं केंद्र सरकार और उनके संबंधित विभागों के बीच आपसी सहयोग और तालमेल होना जरूरी है तथा जल सुरक्षा सुनिश्चित करने में इन्हें एक स्पष्ट और संयुक्त दृष्टि वाली इकाई बनकर काम करना होगा। भारत अपने मौजूदा जल क्षेत्र प्रबंधन में कई तौर-तरीकों में बदलाव कर तेजी ला सकता है। उदाहरण के तौर पर, जल उपयोग-दक्षता बढ़ाना (डब्ल्यूयूई), अपशिष्ट जल का उपचार उपरांत पुन: इस्तेमाल और भूजल स्रोतों में कृत्रिम-पुनर्भरण करना इत्यादि कुछ ऐसे क्षेत्र हैं, जो फौरी महत्व के हैं। भारत में 70 फीसदी जल का उपयोग कृषि क्षेत्र में होता है लेकिन हमारी जल उपयोग दक्षता अंतर्राष्ट्रीय मानकों की तुलना में बहुत कम यानि लगभग 30-35 फीसदी है। यदि जल उपयोग दक्षता में तेज गति से इजाफा करके जल बचाया जाये, तो यह पानी औद्योगिक एवं घरेलू क्षेत्रों में दिया जा सकेगा। केंद्र सरकार की योजनाओं जैसे परिवारों के लिए जल जीवन मिशन और उद्योगों के लिए मेक-इन इंडिया कार्यक्रम के तहत टिकाऊ जल उपलब्धता सुनिश्चित करना जरूरी है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की 2020-21 रिपोर्ट के अनुसार, देश के गंदे नालों में हर रोज 72,368 मिलियन लीटर पानी बहता है, जिसका सिर्फ 28 फीसदी यानी 20,236 एमएलडी पानी ही प्रभावी रूप से उपचारित हो पाता है, बाकी का सारा नदियों, झीलों और खुले नालों में गिरकर उन्हें प्रदूषित करता है। इस चलन को मौजूदा अपशिष्ट जल उपचार तकनीकों को गति देकर रोकना ही होगा, उन्नत तकनीकों को मिलाकर जैसे कि नैनो-टेक्नोलॉजी और उन्नत ऑक्सीडेशन प्रक्रिया को जल्द से जल्द काम में लेना चाहिए। पत्रिका 'साइंस डायरेक्ट' के अनुसार, भारत में भूजल निकालने की मात्रा दुनियाभर में सबसे अधिक है। देश के भूजल स्रोत आकलन इकाइयों में 15 फीसदी से अधिक बुरी तरह दोहन का शिकार हैं क्योंकि जमीन से खींचे गए पानी की वार्षिक मात्रा, भूमिगत जल भंडार के पुनर्भरण से कहीं अधिक है।

हम अपने दादा-दादी, माता-पिता और परिवार के अन्य बुजुर्गों द्वारा सुनाई गई कहानियों को सुनकर बड़े हुए हैं। वे पुराने दिन काफी अच्छे थे, जब हम अपनी दादी या नानी के पास लेटते थे और वे हमें अपनी कहानियों के साथ काल्पनिक यात्राओं पर ले जाते थे जैसे बीरबल की बुद्धि, पांडवों की धार्मिकता, विक्रम और बेताल वगैरह की कहानियां। ये वही कहानियां थीं, जिन्होंने हमें अपने जीवन के कुछ महत्वपूर्ण पाठ सीखने में मदद की। उन्होंने हमें अच्छे और बुरे के बारे में सिखाया। हालांकि, अब, तकनीक हमारे जीवन पर आक्रमण कर रही है। एकल परिवार और कामकाजी माता-पिता सामाजिक व्यवस्था पर हावी हो रहे हैं। कहानी कहने की कला दुर्लभ हो गई है। यदि अब भी बच्चों को कहानी के जरिए अच्छी सीख दी जाए तो कई बड़े फायदे हो सकते हैं

बच्चों को कहानियां सुनाकर बनायें समझदार

सुनने के कौशल को मिलता है बढ़ावा

अध्ययनों में साबित हुआ है कि शैशवावस्था वह अवधि है, जब बच्चे उन अधिकांश शब्दों को कैच कर लेते हैं, जिनका वे बाद में अपने जीवन में उपयोग करते हैं। इसलिए, शिशुओं को भी कहानियां सुनाना एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। जब वे बड़े होते हैं, तो कहानी सुनाना बच्चों के सुनने के कौशल को प्रोत्साहित करता है और बढ़ाता है। आमतौर पर बच्चे सुनने की बजाय बात करना अधिक पसंद करते हैं, पर वे अच्छे श्रोता नहीं होते हैं, लेकिन जब उनमें कहानियां सुनने की आदत डाली जाती है तो वे बेहतर श्रोता भी बन जाते हैं।

सीखने का बेहतर तरीका

कहानी जैसे-जैसे आगे बढ़ती है, बच्चे प्रश्न पूछने शुरू कर देते हैं। यह सीखने की एक बेहतरीन गतिविधि है। कहानी सुनाने वालों को बच्चे को जिज्ञासु बनाने के तरीकों का उपयोग करना चाहिए और उन्हें प्रश्न पूछने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।

बड़ों द्वारा सुनाई गई कहानियां

लैपटॉप पर कहानियां पढ़ने से कहीं बेहतर है बड़ों द्वारा सुनाई गई कहानियां। तकनीक द्वारा प्रदान कहानी कहने की कला के लिए अभिशाप बन गया है। शिक्षा सलाहकार दीपा कहती हैं, कहानी सुनाना एक संवादात्मक गतिविधि है, लेकिन डिजिटल माध्यमों पर यह एक तरफ़ा चीज़ बन जाती है। वह कहती हैं कि डिजिटल कहानी कहना कम मानवीय है। पिछले कुछ वर्षों में कहानी कहने की कला कैसे बदल गई है, इस बारे में दीपा बताती हैं, कई माता-पिता को लगता है कि इंटरनेट पर कहानियां दिखाना, उन्हें सुनाने जितना ही अच्छा है, लेकिन यह सही नहीं है।

नई शब्दावली का परिचय

कहानी सुनाने का एक बड़ा फायदा यह है कि बच्चे की शब्दावली बढ़ती है। यदि बच्चे को को कहानियां सुनने का शौक है, तो समय निकाल कर जरूर सुनाएं। कहानियों में कुछ ऐसे शब्द होते हैं, जिनका अर्थ बच्चे नहीं जानते-समझते, उन्हें उसका अर्थ भी बताएं। इससे वह डेली नई शब्दावली सीखेगा।

हंसना मना है

एक व्यक्ति जो इलेक्शन मे किस्मत आजमा रहा था उसे सिर्फ तीन वोट मिले। अब उसने सरकार से जेड प्लस की सुरक्षा मांग की, जिले के डीएम साहब ने उसे समझाते हुए कहा-आप को सिर्फ तीन वोट मिले हैं फिर आप को जेड प्लस सुरक्षा कैसे दी जा सकती है? वह व्यक्ति बोला-जिस शहर में लोग मेरे इतने खिलाफ हो तो मुझे सुरक्षा मिलनी ही चाहिए।

टीचर: एक औरत एक घंटे मे 50 रोटी बना लेती है, तो तीन औरतें एक घंटे में कितनी रोटी बनाएंगी... बच्चा: एक भी नही, क्योंकि तीनों मिलकर सिर्फ चुगली करेंगी...! बच्चे की बात सुनकर टीचर अभी तक बेहोश है...

टप्पू ने पप्पू से पूछा: तू लड़की देखने गया था, क्या लड़की पसंद नहीं आई? शादी क्यों तोड़ दी? पप्पू: यार लड़की तो सुंदर थी लेकिन उसका कोई ब्वॉयफ्रेंड नहीं था...टप्पू: तो? पप्पू: जो आज तक किसी की न हो सकी, वो मेरी क्या होगी? मैं तो शादी उसी लड़की से करूंगा जिसका ब्वॉयफ्रेंड हो!

नेहा: कल तुम किटी पार्टी में क्यों नहीं आई? रोशनी: यार कल मेरी BMW नहीं आई थी। नेहा: BMW? रोशनी: Bartan Majne wali (बर्तन माजने वाली)।

कहानी — कितने ईमानदार?

एक बार बादशाह अकबर ने पूछा, बीरबल! हमारी राजधानी में कितने ईमानदार हैं? ईमानदार अधिक हैं या बेईमान? जहांपनाह, बेईमान अधिक हैं। बीरबल ने कहा। सिद्ध कर सकते हो ? बिल्कुल। ठीक है। सिद्ध करो। दूसरे दिन बीरबल ने महल का हौज खाली करवा दिया और नगर में ढिंढोरा पिटवा दिया, आज रात को नगर का हर आदमी बादशाह के महल के हौज में एक-एक घड़ा दूध डाले। सुबह होते ही बीरबल अकबर को हौज के पास ले गये। हौज को देखते ही बादशाह अकबर की आंखें खुली की खुली रह गयी। वे जोर से चिल्लाये, यह क्या है? हौज में दूध के बदले पानी! मेरे हुक्म का ऐसा अनादर! बादशाह अकबर गुस्से से लाल-पीले हो गये। बोले, यह कैसे हो सकता है? बीरबल! ढिंढोरा पिटवाने में जरूर कोई भूल हुई होगी। लोग बादशाह के हुक्म का पालन न करें, ऐसा हो ही नहीं सकता। बीरबल ने शांतिपूर्वक अकबर से कहा, हुजूर, जैसा आप सोचते हैं, नहीं हुआ है। सच बात तो यह है कि सभी ने जान-बूझ कर हौज में दूध के बदले पानी डाला है। अकबर ने कहा, मैं कैसे मान लूं कि जैसा तुम कह रहे हो, ऐसा ही हुआ होगा। हुजूर! मेरे साथ चलिए, अभी दूध का दूध और पानी का पानी हो जाता है। दोनों भेस बदलकर बाहर निकले। चलते-चलते वे एक सेठ की हवेली पर पहुंचे। सेठ ने पूछा, कौन हैं आप? बीरबल ने कहा, राहगीर हैं भाई। थोड़ी देर रुक कर आगे चले जाएंगे। सेठ ने कहा, आइए, अंदर आ जाइए। दोनों अन्दर गये। पानी पिया, फिर आराम से बैठे। बीरबल ने कहा, सेठजी! आपके बादशाह ने अपने हौज में लोगों को एक-एक घड़ा दूध डालने का हुक्म दिया था, क्या यह बात सच है? सेठ ने कहा, हां, सच है। बीरबल ने कहा, किसी को ऐसी बात पसन्द नहीं आती, लेकिन बेचारे क्या करते? बादशाह का हुक्म था, इसलिए...। सेठ ने कहा, हुक्म देने वाला तो हुक्म दे देता है, पर मनुष्य में तो बुद्धि होती है न? बीरबल ने कहा, मतलब? सेठ ने बताया, देखिए! किसी से कहना मत! मैंने तो हौज में दूध के बजाय एक घड़ा पानी ही डाल दिया था। रात के अंधेरे में कौन देखता है कि घड़े के अन्दर क्या है। फिर नगर के सारे लोग तो दूध डालने ही वाले थे। उसमें मैंने एक घड़ा पानी डाल दिया, तो क्या फर्क पड़ता है? अकबर और बीरबल सेठ से इजाजत लेकर रवाना हुए। इसी तरह वे चार-पांच जगह और गये। सभी से एक ही बात सुनने को मिली कि हौज में सभी लोग दूध डालने वाले थे, पर अंधेरे में कौन देखता है कि घड़े में दूध है या पानी, यह सोचकर हर किसी ने हौज में दूध के बजाय पानी ही डाला था। बीरबल ने कहा, हुजूर! अभी और कहीं पता लगाने जाना है क्या? अकबर ने कहा, नहीं, नहीं, इतना ही बहुत है। तुम सच कहते हो, सभी बेईमान गलत काम में एक हो जाते हैं और खासतौर पर स्वार्थ साधने में।

शिक्षा: हमें निर्णय पर पहुंचने से पहले तथ्यों पर गौर कर लेना चाहिए। यह एक महत्वपूर्ण तथ्य है कि डर हमेशा अधिकारी की आज्ञा पालन में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है, अधिकारी इस बात का लाभ उठा सकते हैं। यदि उच्च अधिकारी इस बात से अनभिज्ञ है तो उसके अन्तर्गत काम करने वाले डर खो देते हैं जबकि उच्चाधिकारी अपनी अधिकारिता।

5 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — आपका मन आनंदित रहेगा। इस राशि के जो लोग कपड़े का बिजनेस करते है आपको उम्मीद से ज्यादा लाभ मिल सकता है। लम्बे समय से चली आ रही स्वास्थ संबंधी समस्याओं का अंत होगा।

वृषभ — आप चिंतामुक्त रहेंगे। इस राशि के जो लोग जूतों का बिजनेस करते है उनके बिजनेस का विस्तार हो सकता है। जो छात्र कॉमर्स फील्ड से है उन्हें कुछ नया सीखने को मिलेगा।

मिथुन — आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपको मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। रहे है, किसी नयी डील में पैसा लगाने से पहले किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह ले सकते हैं।

कर्क — दिन मिला जुला रहेगा। बड़ों की सलाह लेने से बिगड़ा हुआ काम भी बन सकता है। विवाहित लोगों को दांपत्य जीवन का सुख प्राप्त होगा। युवाओं के लिए सफलता के नए दरवाजे खुलेंगे।

सिंह — दिन बहुत अच्छा रहेगा। आप अपने सोचे हुये कार्यो को जल्दी पूरा कर लेंगे। जो लोग वकालत कर रहे है उनको कोई बड़ा केस मिल सकता है। आपको बड़े भाई का सहयोग मिलेगा।

कन्या — जो लोग राजनीति में हैं उन्हें कोई बड़ा पद दिया जा सकता है। लोगों के बीच आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी। छोटे स्तर पर व्यापार करने वालों को उम्मीद से अधिक धन लाभ होगा।

तुला — दिन सामान्य रहने वाला है। जो लोग बिजनेसमैन है उन्हें आर्थिक उतर-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। अगर लम्बे समय से किसी बात को लेकर परेशान हैं तो उसे पार्टनर के साथ शेयर कर सकते हैं।

वृश्चिक — आपका दिन बहुत अच्छा रहने वाला है। आपके रुके हुए काम पूरे होंगे। जो लोग थियेटर और फिल्म लाइन में काम करते है आज उन्हें नई उपलब्धियां प्राप्त हो सकती हैं।

धनु — आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। हर किसी को साथ लेकर चलने का प्रयास करेंगे है। जो लोग वकील है आपको किसी पुराने केस में सफलता प्राप्त हो सकती है।

मकर — दिन बहुत अच्छा रहने वाला है। जीवन में आपको नया मुकाम प्राप्त होगा। जो लोग फैशन डिजाइनर है। उन्हें अच्छे काम के लिए सम्मानित किया जा सकता है।

कुम्भ — दिन सुनहरा रहने वाला है। पूरे दिन प्रसन्नता बनी रहेगी। जो लोग सरकारी नौकरी कर रहे है, ऑफिस में उन्हें सहयोगियों की मदद मिलेगी। लवमेट के लिए दिन काफी अच्छा है।

मीन — जो लोग लेखक हैं आपके विचारों का सम्मान होगा, आपकी लेखनी की तारीफ हर जगह होगी। सोशल मीडिया पर एक्टिव रहना आपके लिये बहुत फायदेमंद रहेगा।

बॉलीवुड | मन की बात

मेरी वजह से फिल्म आरआरआर को मिला आस्कर : अजय देवगन

अजय देवगन इन दिनों अपनी फिल्म भोला को लेकर जमकर सुर्खियों में छाए हुए हैं। अजय देवगन अपनी इसी फिल्म को प्रमोट करने के लिए कपिल शर्मा के कॉमेडी शो पर पहुंचे। अजय देवगन ने फिल्म आरआरआर को लेकर भी कुछ बातें कही जिसे हाल ही में ऑस्कर अवॉर्ड मिली है। बता दें कि आरआरआर को अपनी फिल्म के गाने नाटू नाटू के लिए ऑस्कर मिला है और इस फिल्म में अजय देवगन भी थे। अब अजय देवगन ने फिल्म को ऑस्कर मिलने की असली वजह बताई है। एस एस राजामौली की फिल्म आरआरआर के गाने नाटू नाटू को बेस्ट ऑरिजिनल सॉन्ग के लिए ऑस्कर अवॉर्ड मिला है। अजय देवगन ने बताया है कि उनकी वजह से ही फिल्म आरआरआर के इस गाने को ऑस्कर मिल पाया है। अजय देवगन अपनी आने वाली फिल्म भोला के प्रमोशन में जुटे हैं और फिल्म के कलाकार तब्बू और दीपक डोबरियाल के साथ वो कपिल के शो पर नजर आए। इसी शो पर अजय देवगन ने नाटू नाटू को मिले ऑस्कर अवॉर्ड पर भी रिएक्शन दिया। उन्होंने कहा कि इस गाने को ऑस्कर उन्हीं की वजह से मिला है। अजय ने कहा, अगर मैंने उस गाने में डांस किया होता तो? यानी अजय कहना चाह रहे थे कि वो अच्छे डांसर नहीं हैं और अगर उन्होंने गाने में डांस किया होता तो इस गाने को कभी ऑस्कर नहीं मिल पाता। अजय की ये मजाक-मस्ती लोगों का काफी पसंद आ रही है और अब फैन्स उनके एपिसोड का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इसी शो पर कपिल शर्मा ने उनसे उनके स्टंट को लेकर भी सवाल किया है और पूछा कि वो अक्सर फिल्मों में अलग-अलग स्टंट करते नजर आए हैं, कौन सा स्टंट सबसे मुश्किल रहा है। इसपर एक्टर ने जवाब देते हुए कहा-एक स्टंट जब मैं करता हूं तो मेरे जबड़े में बहुत दर्द होने लगता है। कपिल ने पूछा- कौन सा तो एक्टर बोले-जब तेरे जोक पर हंसना पड़ता है।

पर्दे के पीछे का काला सच लेकर आ रही 'जुबली'

हिन्दी सिनेमा को लेकर अक्सर कहा जाता है कि चकाचौंध भरी ये दुनिया जैसी दिखती है, वैसे बिल्कुल नहीं हैं। बल्कि, इस फिल्मी नगरी के भीतर भी कई राज दफन है, जिनमें कुछ वक्त के साथ सामने आते हैं, जबकि कुछ राज लाइट्स, कैमरा और एक्शन में दबकर गुम हो जाते हैं। अब इसी फिल्मी दुनिया का एक चेहरा लेकर आ रही है वेब सीरीज जुबली।

अमेजॉन प्राइम वीडियो की अगली सीरीज जुबली का दमदार ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। इसमें आजादी के तुरंत बाद 1947 की फिल्मी दुनिया दिखाई गई है। ये कहानी प्यार, फरेब और नफरत पर आधारित है। ये कहानी है फिल्म स्टूडियो रॉय टॉकीज के मालिक की, जिसकी पत्नी (अदिति राव हैदरी) का अफेयर एक एक्टर से चल रहा है।

ट्रेलर की शुरुआत होती है एक कार से जिसका एक्सीडेंट हो गया है, इसमें एक आदमी बचने के लिए मदद मांग रहा है, जबकि वहीं पास खड़ा शख्स बिनोद (अपारशक्ति खुराना) मौके का फायदा उठाकर उसे मार देता है। इसके बाद बंबई शहर और यहां बना शानदार रॉय टॉकीज। इसी दौरान एक उभरते मदन कुमार का जिक्र सुनाई देता है। मदन कुमार वहीं शख्स है जिसका रॉय टॉकीज के मालिक की पत्नी के साथ अफेयर है। अब टॉकीज का मालिक किसी भी तरह अपनी पत्नी को वापस चाहता है। इसके लिए वह अपने वफादार बिनोद का एक मोहरे की तरह इस्तेमाल करता है और उसे दुनिया के सामने मदन कुमार बनाकर पेश कर देता है।

ट्रेलर काफी शानदार है, लेकिन ऐसा लगता है कि यहीं पर ही सीरीज की कहानी भी काफी हद तक कहानी भी खुल चुकी है। इसके बावजूद यह देखना काफी दिलचस्प होगा कि बिनोद, जिसे सिर्फ एक मोहरा माना जा रहा है, वो वाकई मोहरा है या इसकी भी अपनी कोई कहानी है। खैर ऐसे ही कई सवाल इस ट्रेलर को देखकर उठते हैं, जिनका जवाब सीरीज की रिलीज के साथ मिलेगा।

याशिका को सता रहा जेल जाने का डर

याशिका आनंद एक तमिल एक्ट्रेस हैं, जो पिछले साल अपनी कार दुर्घटना को लेकर सुर्खियों में थीं। जुलाई 2022 में याशिका के साथ महाबलीपुरम के पास एक दुर्घटना हुई, जहां उनके सबसे अच्छे दोस्त की भी मौके पर ही मौत हो गई। बाद में अदालत में एक मामला दायर किया गया था और सुनवाई लंबित थी। अब मामले में ताजा अपडेट के मुताबिक, अदालत ने याशिका के पेश नहीं होने पर गिरफ्तारी का वारंट जारी किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, याशिका आनंद को कुछ दिन पहले कोर्ट के सामने पेश होने का आदेश दिया गया था लेकिन वह नहीं आई। लिहाजा कोर्ट ने एक्ट्रेस को दोबारा नोटिस भेजा। अदालत ने कहा कि अगर यशिका 25 अप्रैल को अदालत में पेश नहीं होती है, तो उन्हें कार दुर्घटना मामले में पुलिस के गिरफ्तार किए जाने की संभावना होगी। इस घटना ने याशिका पर एक भयानक छाप छोड़ी क्योंकि उन्हें न केवल गंभीर चोटें आईं बल्कि उन्होंने अपने सबसे अच्छे दोस्तों में से एक को भी खो दिया। एक्ट्रेस जिस एसयूवी को चला रही थीं, वह डिवाइडर से टकराकर पलट गई। यह भयानक दुर्घटना 24 जुलाई की तड़के हुई थी। दुर्घटना के बाद, वह 6 महीने से अधिक समय तक बेड रेस्ट पर रही।

कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि याशिका आनंद और उनके दोस्त नशे में थे। हालांकि, उसने बाद में रिपोर्ट को बंद कर दिया और कहा कि पुलिस ने पुष्टि की कि वह और उनके दोस्त बिल्कुएसल भी नशे में नहीं थे। याशिका के दोस्तों में से एक वल्लीचेट्टी पावनी की मौके पर ही मौत हो गई। उन्होंने पिछले साल एक नोट भी लिखा था कि वह कैसे दोषी महसूस करती हैं और उम्मीद करती हैं कि उनका परिवार उन्हें माफ कर देगा। एक्ट्रेस के नोट में लिखा है- मैं आपको हर पल याद करती हूं पावनी। मुझे पता है कि आप मुझे कभी माफ नहीं कर सकती। मैंने आपके परिवार को ऐसी भयानक स्थिति में डाल दिया। बस इतना जान लीजिए कि मैं आपको हर पल याद करती हूं और मैं हमेशा के लिए हूं। आशा है कि आपकी आत्मा को शांति मिले। मैं प्रार्थना करती हूं कि आप मेरे पास वापस आएं। आशा है कि किसी दिन आपका परिवार मुझे माफ कर देगा। मैं हमेशा हमारी यादों को संजोती रहूंगी।

अजब-गजब | ब्लैक फीवर से मरे लोगों को दफनाया गया था इस आइलैंड में

यहां मिट्टी से ज्यादा मिलती हैं इंसानी हड्डियां

आप अगर भूत-प्रेतों और आत्माओं पर विश्वास न भी करते हों, तो कई बार कुछ ऐसा हो जाता है कि हम अपने ही विश्वास पर संदेह करने लगते हैं। खासतौर पर जब बात दुनिया की कुछ ऐसी भूतिया जगहों की करें, जहां जाने के लिए सरकारें भी मना करती हैं। ऐसी ही एक जगहों में से एक है इटली का पोवेग्लिया आइलैंड। इस द्वीप के बारे में कहा जाता है कि यहां साक्षात मौत का वास है, जो यहां गया वो वापस नहीं आया।

दुनिया में जो भुतही जगहें मौजूद हैं, उन्हें टेस्ट करने के लिए भी लोग जाते हैं। ऐसे ही इस आइलैंड पर भी बहुत से लोगों ने जाने की हिम्मत की। इनमें से कुछ तो वापस नहीं आ पाए और जो वापस आए भी, उनका यही कहना था कि ये आइलैंड अब शापित है क्योंकि यहां से अजीब-अजीब आवाज़ें सुनाई देती हैं। यही वजह है कि जो भी वहां जाता है, उसकी वापसी की गारंटी इटैलियन सरकार भी नहीं लेती है। उन्होंने टापू पर जाने पर पाबंदी लगा रखी है।

इटली के वेनिस शहर और लिडो के बीच मौजूद इस रहस्यमयी जगह को वेनेशियन खाड़ी कहते हैं, ये जगह ऐसे कई राज समेटे है, जिससे पर्दा नहीं उठ पाया है। यहां जाने वाले अक्सर वापस नहीं आते, ऐसे में यहां जाना बैन किया जा चुका है। ये पूरा टापू 17 एकड़ में फैला है और कहते हैं कि यहां की आधी जमीन इंसानी अवशेषों से बनी हुई है। यही वजह है कि इसे शापित कहा जाता है। इतिहास में जाएं तो बताया जाता है कि जब इटली में प्लेग की महामारी फैली तो सरकार ने 1 लाख 60 हज़ार लोगों को यहां लाकर जला दिया था, ताकि महामारी को फैलने से रोका जा सके। इतना ही नहीं जब यहां ब्लैक फीवर फैला, तो एक बार फिर सरकार ने इसी आइलैंड में बीमारी से मरे लोगों को दफना दिया, ताकि बीमारी फैले नहीं।

यहां पर एक मेंटल अस्पताल बनाकर लोगों को बसाने का भी प्लान बनाया गया था, लेकिन जो भी डॉक्टर्स और नर्स यहां आए, उन्हें लोगों की आत्माओं का आभास होने लगा। डॉक्टरों ने अजाबोगरीब आवाजें आने की बात कही, तो मरीजों के परिजनों ने आत्माएं दिखने की बात कही। अस्पताल भी जल्दी ही बंद हो गया और 1960 में एक अमीर आदमी ने इस टापू को खरीदा, लेकिन उसके परिवार के साथ भी बुरे हादसे हुए। तब से ये शापित मान लिया गया। अब यहां जाने की हिम्मत खुद ही लोग नहीं करते।

एसयूवी से आये चोर, सोना-चांदी नहीं बल्कि घर से ले भागे बोलने वाला तोता

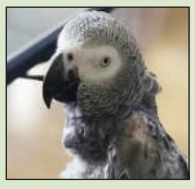

आज की दुनिया में कुछ भी मुमकिन है। जिस तरह से हर मिनट दुनिया बदल रही है, उसी तरह लोगों का इंट्रेस्ट भी बदल रहा है। इस बदलाव से चोर भी अछूते नहीं रहे हैं। पहले चोर दबे पांव किसी के घर में चोरी करने घुसते थे। इससे पहले अच्छे से घर की रेकी की जाती थी। सारी बेशकीमती चीजों की लिस्ट बनाकर चोरी की जाती थी। लेकिन अब चोर सोने-चांदी की जगह दूसरी कीमती चीजों पर ध्यान देने लगे हैं। वहीं बीते कुछ समय से विदेशों में पालतू जानवरों की चोरी में भी इजाफा हुआ है। हाल ही में दो चोरों ने एक शख्स के घर से उसका बोलने वाला तोता चुरा लिया। मामला कैलिफोर्निया से सामने आया। यहां एक शख्स के घर के दरवाजे पर लगे कैमरे में चोरों की सारी गई। ये चोर शख्स के घर में बड़ी सी गाड़ी से आए। उनकी हरकत देखकर कोई कह नहीं सकता था कि ये असल में चोर हैं। दोनों बड़े आराम से घर के बाहर आए और शख्स का तोता चुरा कर ले गए। हालांकि, ये कोई ऐसा-वैसा तोता नहीं था। इस बोलने वाले तोते का दाम करीब दो लाख बताया जा रहा है। अपने बोलने की खासियत की वजह से ये आसपास काफी मशहूर हो गया था। चोरी का ये पूरा मामला डोरबेल कैम में कैद हो गया। घटना 12 मार्च का है। वीडियो में देखा गया कि एक लाल रंग की एसयूवी शख्स के घर के बाहर आकर खड़ी हुई। उसके बाद उसमें से दो शख्स बाहर आए और उन्होंने घर से बोलने वाला तोता चुरा लिया। ये तोता घर के बाहर एक पिंजरे में बंद था। ग्रे पैरेट था, जिसका नाम लूना बताया जा रहा है। इसके बाद वो झट से अपनी कार में जा बैठा। उसने पिंजरे को पीछे डाला और वहां से रफूचक्कर हो गया। अपने पालतू तोते की चोरी की घटना से उसके मालिक को काफी दुःख पहुंचा है। उसने लोगों से अपील की है कि जिसे भी तोते की जानकारी मिले, उसे तुरंत इन्फॉर्म करे। ये तोता शख्स के पास पिछले दस साल से रह रहा था। फेसबुक पर अबीगैल अयपणतेसातल ने पोस्ट करते हुए लिखा कि प्लीज उन चोरों को पहचानें। इन्होंने मेरे भाई का अफ्रीकन ग्रे तोता चुराया है। घटना ऑरेंज काउंटी की है। तोता बीमार है और उसे हर दिन दवाई की जरुरत पड़ती है। इसे घर के बाहर से चुरा लिया गया है। सोशल मीडिया पर इस पोस्ट को कई बार शेयर किया गया। उम्मीद है कि जल्द ही तोता अपनी मालिक से मिल लेगा।

भाजपा कम्युनिटी को भड़का रही : गहलोत

मुख्यमंत्री ने कहा, कांग्रेस ने ओबीसी को बहुत कुछ दिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। सीएम अशोक गहलोत ने कहा राजस्थान में मैं अपनी कम्युनिटी माली-सैनी समाज से अकेला विधायक हूं। मुझे कांग्रेस पार्टी ने तीन बार प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाया है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भी ओबीसी से आते हैं। दोनों राज्यों के मौजूदा सीएम ओबीसी के हैं, लेकिन बीजेपी ओबीसी समाज को भड़काने के लिए नीरव मोदी और ललित मोदी पर लगे आरोपों को हथियार बना रही है। क्या वो ओबीसी हैं ?

दिल्ली दौरे पर गहलोत ने कांग्रेस के सत्याग्रह दौरान मंच से राहुल गांधी के मानहानि वाले मामले का जिक्र करते हुए उसे साल 2017 के गुजरात चुनावों में पीएम मोदी को नीच कहने वाली घटना से जोड़ा। गहलोत ने कहा कि नीच कहने वाले बयान को बीजेपी ने प्ले कार्ड के तौर पर तब चुनाव में इस्तेमाल किया था। गहलोत ने सत्याग्रह के दौरान प्रियंका गांधी का ध्यान अपने भाषण की तरफ भी दिलाया, जिसकी सियासी गलियारों में चर्चाएं हैं। गहलोत ने कहा राहुल गांधी देश की आवाज हैं। उन्होंने भारत जोड़ो यात्रा में जो सवाल उठाए उसका जवाब बीजेपी नहीं दे पा रही है। संसद में पीएम और अडानी के संबंधों पर सवाल खड़े किए, जो उसका जवाब केंद्र सरकार नहीं देना चाहती है। इसलिए मुद्दे से ध्यान भटकाने के लिए षड़यंत्र किया गया है।

भ्रम में हैं भाजपा अध्यक्ष

गहलोत ने प्रियंका गांधी को बीजेपी के गुजरात चुनाव के दौरान हुए प्रयोग की बात सुनने को पार्टी के मंच से कहा। गहलोत ने कहा कि अब बीजेपी वाले ओबीसी के अपमान का मुद्दा बनाकर लाए हैं। 2017 के गुजरात विधानसभा चुनावों में जब राहुल गांधी कैंपेन कर रहे थे, तब वहां नरेंद्र मोदी ने यह प्रयोग किया था। मोदी ने उस वक्त कहा था- मैं ओबीसी का हूं इसलिए मुझे नीच कहा गया। बीजेपी गुजरात चुनाव में हार रही थी, तो आखिरी हथियार के रूप में मोदी ने कहा कि मुझे कांग्रेस नेता ने नीच कह दिया। देखो भाइयों और बहनों मैं नीच हूं क्या? ओबीसी का हूं इसलिए नीच कहा। गुजरात चुनाव में गेम पलटने के लिए मोदी ने क्या-क्या बातें नहीं बोली थीं। यही भ्रम अब जेपी नड्डा को भी हुआ है।

भगोड़े नीरव मोदी-ललित मोदी ओबीसी हैं क्या?

सीएम गहलोत ने कहा है कि बीजेपी ने तय किया है कि आगामी 6 अप्रैल से ये लोग ओबीसी के बीच अभियान चलाएंगे। बीजेपी के लोग अभियान में ये मुद्दा बनाएंगे कि ओबीसी की बेइज्जती कर दी। जो लोग देश छोड़कर भागे हैं, क्या वे ओबीसी हैं? नीरव मोदी, ललित मोदी क्या ओबीसी के हैं? मैं पूछना चाहता हूं कि आप नीरव मोदी, ललित मोदी को क्यों बचा रहे हैं? जो प्ले कार्ड 2017 के गुजरात विधानसभा चुनावों में बीजेपी ने खेला था, वही दोबारा खेलना चाहते हैं, जबकि कांग्रेस पार्टी ने आजादी के बाद से ओबीसी, एससी, एसटी को बहुत कुछ दिया है।

पहले भी गांधी परिवार कर चुका है दलित या पिछड़े वर्ग का अपमान : स्मृति ईरानी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का अपमान करने की कोशिश में राहुल गांधी पूरे ओबीसी वर्ग का अपमान कर गए। यह पहली बार नहीं है जब गांधी परिवार ने दलित या पिछड़े वर्ग के लोगों का अपमान करने की कोशिश की है। जब एक आदिवासी समुदाय से आने वाली महिला राष्ट्रपति बनीं थी, तो कांग्रेस के सदस्यों ने गांधी परिवार के निर्देश पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का भी अपमान किया था। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि राहुल गांधी, संसद में प्रधानमंत्री के लिए अपशब्दों का इस्तेमाल करते हैं और उन पर आरोप लगाते हैं लेकिन वह अपने ही बयानों की सत्यता को साबित नहीं कर पाते। अदालत ने राहुल गांधी को किसी एक व्यक्ति का अपमान करने के मामले में नहीं बल्कि पूरे समुदाय का अपमान करने के लिए दोषी माना है। केंद्रीय मंत्री ने आरोप लगाया कि एक पत्रिका को दिए इंटरव्यू में राहुल गांधी ने कहा है कि वह प्रधानमंत्री मोदी की छवि पर लगातार हमला करते रहेंगे, जब तक वह उनकी छवि को बर्बाद ना कर दें। गांधी परिवार भी प्रधानमंत्री की छवि को धूमिल करने की कोशिश की लेकिन वह उसमें सफल नहीं हुए। वह प्रधानमंत्री मोदी के प्रति आम जनता के प्यार को कम नहीं कर सके।

पंजाब में अब किसानों को नहीं चुकाना होगा ऋण : भगवंत मान

» सीएम ने कहा-बारिश और ओलावृष्टि की वजह से लिया फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने हाल ही में हुई बारिश और ओलावृष्टि से फसलों को हुए नुकसान के मद्देनजर प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों के कर्ज की अदायगी पर रोक लगाने की घोषणा की। उन्होंने आशा व्यक्त की है कि इस कदम से संकट की इस घड़ी में किसानों को काफी राहत मिलेगी।

मान ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि किसान मौजूदा नुकसान से उबरने के बाद अपने कर्ज की राशि का भुगतान कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस कदम से बड़ी संख्या में किसान डिफाल्टर होने से बच जाएंगे और अगले फसल सीजन के लिए कर्ज लेने के पात्र बने रहेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सहकारी समितियां किसानों को अल्पकालिक फसल ऋण के रूप में पैसा उधार देती हैं। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बारिश और तूफान से खराब हुई फसलों की विशेष गिरदावरी का काम एक हफ्ते में पूरा करने का निर्देश जारी किया है।

सड़क घोटाले में शामिल अभियंताओं पर कार्रवाई की जगह अच्छी तैनाती की चर्चा

» इंडो-नेपाल सीमा मार्ग परियोजना का मामला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोक निर्माण विभाग में इंडो-नेपाल-सीमा मार्ग परियोजना में हुए घोटाले में शामिल अभियंताओं व कर्मचारियों पर कार्रवाई करने की बजाए अच्छी जगह तैनाती देने की चर्चा हो रही है। हालांकि विभाग के जिम्मेदार अधिकारी इस तरह के आरोपो पर कुछ नही बोल रहे है।

आपको बता दें कि गत दो मार्च को प्रमुख अभियंता ग्रामीण सड़क इंडो-नेपाल सीमा ने सड़क निमार्ण में गड़बड़ी की बात लिखी थी। उन्होंने लिखा कि विभिन्न रनिंग कार्यों के एवज में ठेकेदार को करीब 20 करोड़ रुपये से अधिक की राशि दी गई जो अनुचित थी। इस मामले की जांच दो वरिष्ठ अभियंताओं ने कराई गई जो सही पाई गई। इस रिपोर्ट में कहा गया कि मिट्टी, जीएसबी,डीबीएम, बीसी आदि में 18.64 करोड़ से अधिक भुगतान किया गया। इसमें चार अधिशासी अभियंता, सहायता अभियंता,तीन अवर अभियंता शामिल हैं। प्रमुख अभियंता ने कार्रवाई के लिए शासन को रिपोर्ट भेजी है।

ये अधिकारी हैं शामिल

कार्रवाई के लिए जिन कर्मियों की संस्तुति की गई है उनमें मौजूदा कानुपर क्षेत्र के चीफ इंजीनियर व तत्कालीन एक्सईएन श्रीराज (तीन बार), निलंबित चल रहे एक्सईएन देशराज गौतम, तत्कालीन एक्सईएन व मौजूदा अधीक्षण अभियंता परिवाद अनिल कुमार गुत्ता, एक्सईएन बलरामपुर अनिलकुमार, राकेश सहायक अभियंता सतीश चंद्रा,वीर्यवीर सिंह, दयाशंकर सिंह और अवर अभियंता अरविंद कुमार श्रीवास्तव व पांचू चाहान व चंद्र प्रकाश दूबे शामिल हैं। दो सहायक अभियंता सेवानिवृत्त हो चुके हैं।

केकेआर की कप्तानी संभालेंगे नीतीश राणा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कोलकाता नाइटराइडर्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आगामी सीजन के लिए नए कप्तान की घोषणा कर दी है। दिल्ली के बाएं हाथ के बल्लेबाज नीतीश राणा इस सीजन में टीम की कमान संभालेंगे। वह चोटिल श्रेयस अय्यर की जगह लेंगे। कोलकाता के नियमित कप्तान श्रेयस पीठ के निचले हिस्से में चोट के कारण इस सीजन के ज्यादातर मैचों में नहीं खेल पाएंगे। फ्रेंचाइजी को जल्द ही उनकी वापसी की उम्मीद है।

कोलकाता नाइटराइडर्स ने अपने बयान में कहा, हमें इस बात की उम्मीद है कि श्रेयस अय्यर जल्द ही ठीक जाएंगे। वह आईपीएल के इस संस्करण में भाग ले सकते हैं। हम भाग्यशाली हैं कि नीतीश के पास कप्तानी का अनुभव है। वह सफेद गेंद के क्रिकेट में अपने राज्य का नेतृत्व कर रहे हैं और 2018 से कोलकाता नाइटराइडर्स के साथ हैं। वह अच्छा काम करेंगे। नीतीश राणा और वेस्टइंडीज के अनुभवी ऑलराउंडर सुनील नरेन का नाम कप्तानी के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया है। अंत में नीतीश के नाम पर मुहर लगी। फ्रेंचाइजी के पास शाकिब अल हसन, आंद्रे रसेल, टिम साउदी और शार्दुल ठाकुर के रूप में भी विकल्प था। सभी अनुभवियों को दरकिनार कर कोलकाता नाइटराइडर्स मैनजमेंट ने युवा नीतीश राणा पर दांव खेला है।

चोटिल श्रेयस अय्यर की जगह निभायेंगे जिम्मेदारी

2018 में कोलकाता से जुड़े थे नीतीश

नीतीश राणा की बात करें तो उन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में दिल्ली की कप्तानी की है। इस दौरान 12 मैचों में उन्हें आठ में जीत मिली है और चार में हार का सामना करना पड़ा। 29 साल के नीतीश 2018 में कोलकाता नाइटराइडर्स में शामिल हुए थे। उसके बाद से फ्रेंचाइजी ने उन्हें हर बार रिटेन किया है। नीतीश ने कोलकाता के लिए 74 मैचों में 135.61 की स्ट्राइक रेट से 1744 रन बनाए हैं।

पंजाब से होगा पहला मुकाबला

आईपीएल के 16वें सीजन की शुरुआत 31 मार्च को होगी। पहले मुकाबले में चेन्नई सुपरकिंग्स का सामना गत चैंपियन गुजरात टाइटंस से होगा। कोलकाता नाइटराइडर्स की बात करें तो वह अपने अभियान की शुरुआत एक अप्रैल को पंजाब किंग्स के खिलाफ करेगी।

बंगले की खुशहाल यादें मेरे दिल में : राहुल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सांसदी जाने के बाद बंगला छिनने पर बयान जारी किया है। राहुल ने लोकसभा सचिवालय को भेजे गए एक पत्र में कहा, पिछले चार कार्यकाल से लोकसभा सांसद के तौर पर जनता का दायित्व पूरा करते हुए यहां बिताए वक्त की मेरे पास खुशहाल यादें हैं। अपने अधिकारों के प्रति बिना किसी पूर्वग्रह के मैं आपकी चिट्ठी में लिखी बातों का पालन करूंगा।

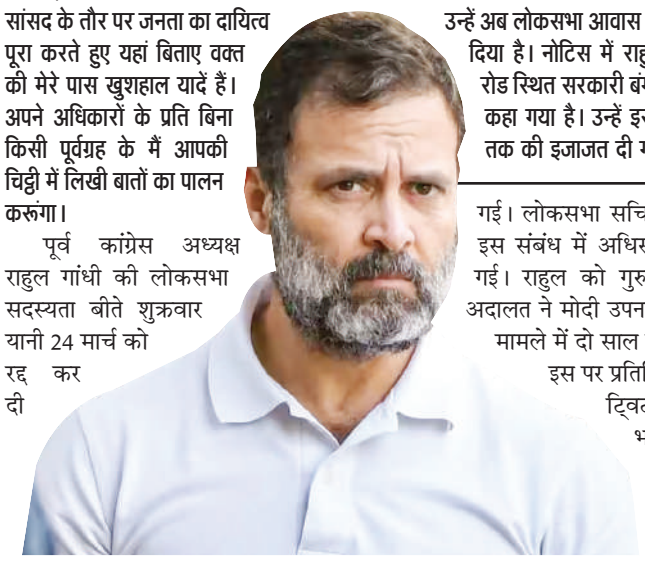

पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता बीते शुक्रवार यानी 24 मार्च को रद्द कर दी गई। लोकसभा सचिवालय की ओर से इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी गई। राहुल को गुरुवार को सूरत की अदालत ने मोदी उपनाम से जुड़े मानहानि मामले में दो साल की सजा सुनाई थी। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने ट्विटर पर लिखा था, मैं भारत की आवाज के लिए लड़ रहा हूं। मैं हर कीमत चुकाने को तैयार हूं।

22 अप्रैल तक का समय मिला

गौरतलब है कि राहुल को लोकसभा से अयोग्य करार दिए जाने के बाद सरकार की ओर से आवंटित बंगला खाली करना होगा। इस संबंध में उन्हें अब लोकसभा आवास समिति ने नोटिस भी दिया है। नोटिस में राहुल को 12 तुगलक रोड स्थित सरकारी बंगला खाली करने को कहा गया है। उन्हें इसके लिए 22 अप्रैल तक की इजाजत दी गई है।

मैं राहुल के लिए बंगला खाली कर दूंगा : मल्लिकार्जुन खरगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राहुल गांधी की संसद सदस्यता रद्द होने के बाद लोकसभा की समिति ने उनको एक महीने के अंदर उनका बंगला खाली करने का नोटिस दिया। राहुल गांधी को बंगला खाली करने का नोटिस मिलने के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, अगर राहुल चाहें तो वह मेरे घर आ जाएं मैं उनके लिए अपना बंगला खाली कर दूंगा। कांग्रेस अध्यक्ष ने एक सवाल के जवाब में कहा, वे उनको (राहुल गांधी) कमजोर करने की हर संभव कोशिश करेंगे लेकिन अगर वह बंगला खाली करते हैं तो वह अपनी मां के साथ रहेंगे या वह मेरे पास रहने के लिए आ सकते हैं और मैं उनके लिए एक बंगला खाली कर दूंगा। सरकार राहुल को अपमानित करना चाहती है। कांग्रेस अध्यक्ष ने आगे कहा, मैं उनको डराने, धमकाने और अपमानित करने के सरकार के रवैये की निंदा करता हूं। यह तरीका अच्छा नहीं है। उन्होंने कहा, कभी-कभी हम 3-4 महीने बिना बंगले के रहते हैं. मुझे मेरा बंगला 6 महीने बाद मिला। यह लोग दूसरों को नीचा दिखाने के लिए ऐसा करते हैं और मैं उनके ऐसे रवैये की निंदा करता हूं।

कार और ऑटो की भिड़ंत में पांच की मौत, तीन घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी के हरदोई जिले में मंगलवार को भीषण सड़क हादसा हुआ। लखनऊ रोड पर कोतवाली देहात क्षेत्र में लखनऊ की ओर से आ रही कार में सामने से आ रहे अनियंत्रित ऑटो की भिड़ंत हो गई। हादसे में मां-बेटी सहित पांच लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। जबकि तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई।

टक्कर इतनी भीषण थी कि कार व ऑटो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही संबंधित थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। घटनास्थल पर एएसपी पहुंच चुके हैं। मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी गई है।

11 भाषाओं में 'मोदी हटाओ देश बचाओ' का पोस्टर जारी

» 30 मार्च से पूरे देश में पोस्टर लगायेगी आम आदमी पार्टी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अब आम आदमी पार्टी ने 'मोदी हटाओ देश बचाओ' का पोस्टर 11 भाषाओं में जारी किया है। आम आदमी पार्टी 30 मार्च को देशभर में मोदी हटाओ, देश बचाओ का पोस्टर लगाने वाली है।

दिल्ली में ऐसे पोस्टर लगाने के बाद दिल्ली पुलिस ने 100 से ज्यादा एफआईआर की थी और 6 लोगों को गिरफ़्तार किया गया थ। इसी नारे के तहत 23 मार्च को आम आदमी पार्टी ने जंतर मंतर पर बड़ी जनसभा की थी जिसे अरविंद केजरीवाल और भगवंत मान ने संबोधित किया था।

इन भाषाओं में होगा पोस्टर

इसी जनसभा में पार्टी के दिल्ली प्रदेश संयोजक गोपाल राय ने घोषणा की थी कि 30 मार्च को आम आदमी पार्टी देशभर में मोदी हटाओ देश बचाओ का पोस्टर लगाएगी। हिन्दी, उर्दू, अंग्रेज़ी और पंजाबी के अलावा, गुजराती, तेलुगू, बांग्ला, उड़िया, कन्नड़, मलयालम और मराठी में भी पोस्टर जारी किया गया है।

संसद में फिर 11वें दिन भी हंगामा

एक सांसद ने संसद में उछाला दुपट्टा, राज्यसभा-लोकसभा की कार्यवाही ठप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद में बजट सत्र के दूसरे चरण के तीसरे हफ्ते के दूसरे दिन भी कार्यवाही हंगामें की भेंट चढ़ गई। विपक्ष व सत्ता पक्ष का हंगामा जारी रहा। पिछले कई दिनों से कांग्रेस नेता राहुल गांधी की सदस्यता जाने के मुद्दे पर विपक्ष लगातार हंगामा कर रहा है। ऐसे में सदन की कार्यवाही बाधित हो रही है। लोकसभा और राज्यसभा में आज भी राहुल गांधी की सदस्यता खत्म किए जाने और कई अन्य मुद्दों पर विपक्ष का हंगामा जारीरहा। राज्यसभा और लोकसभा की कार्यवाही को दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित करना पड़ा है। इससे पहले मल्लिकार्जुन खरगे के नेतृत्व में कांग्रेस संसदीय दल की बैठक हुई, जिसमें आगे की रणनीति पर चर्चा हुई।

सदन में आज प्रश्नकाल फिर नहीं हो पाया। कार्यवाही शुरू होते ही हंगामे के कारण एक मिनट से भी कम समय में स्थगित कर दी गई। काले कपड़े पहने कुछ विपक्षी सदस्यों ने सदन के वेल में विरोध

किया। कांग्रेस सदस्य एस. ज्योति मणि और राम्या हरिदास ने आदेश के कागजात फाड़ दिए और उन्हें आसन की ओर फेंक दिया। कांग्रेस के एक अन्य सदस्य टी एन प्रतापन ने एक काला दुपट्टा संसद में उछाल दिया। हंगामे के बीच अध्यक्ष पद पर मौजूद पीवी मिधुन रेड्डी ने कहा कि सदस्यों का व्यवहार अनुचित है और उन्होंने कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही दोपहर तक के लिए स्थगित होने के बाद भाजपा ओबीसी नेता और सांसद पीपी चौधरी ने कहा कि राहुल गांधी ने देश की पिछड़ी जातियों को अपमानित किया है। हम मांग करते हैं कि राहुल गांधी माफी मांगे। पिछड़ा वर्ग राहुल गांधी को कभी माफ नहीं करेगा।

भारत-अफ्रीका का इतिहास समृद्ध : राजनाथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पुणे में आज भारत-अफ्रीका सेना प्रमुखों का सम्मेलन हो रहा है। सम्मेलन को संबोधित करते हुए रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने दोनों देशों के पारस्परिक संबंधों के बारे में बताया। कहा कि संपूर्ण मानवता के दृष्टिकोण से भी अफ्रीका मानता है कि महाद्वीप, नस्ल या जातीयता की अपेक्षा के बिना अफ्रीका सभी मानवता का उद्गम स्थल है। उन्होंने कहा कि भारत एक युवा आबादी और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के साथ दुनिया की सबसे प्राचीन सभ्यताओं में से एक है। हमारे लोगों के लिए समृद्धि और गरिमापूर्ण जीवन हासिल करने की हमारी साझी खोज में भारत और अफ्रीका के बीच साझेदारी की स्वाभाविक भावना है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत अफ्रीका के औपनिवेशीकरण के सबसे मजबूत समर्थकों में से एक रहा है, और उसने अफ्रीका में साम्राज्यवादी, नस्लवादी और रंगभेद शासन के अंत के लिए काम किया है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि एक राष्ट्र के रूप में, हमारे मन में अपने अफ्रीकी भाइयों और बहनों के लिए बहुत सम्मान और स्नेह है। यह एक स्वभाविक साझेदारी है।

अफ्रीका आज एक अरब से अधिक लोगों का घर है, जिनमें से दो तिहाई से अधिक 35 वर्ष से कम आयु के हैं। यदि इस मानव पूंजी को सही अवसरों के साथ समर्थन दिया जाता है, तो यह न केवल अफ्रीका के लिए विकास का इंजन बन जाएगा।

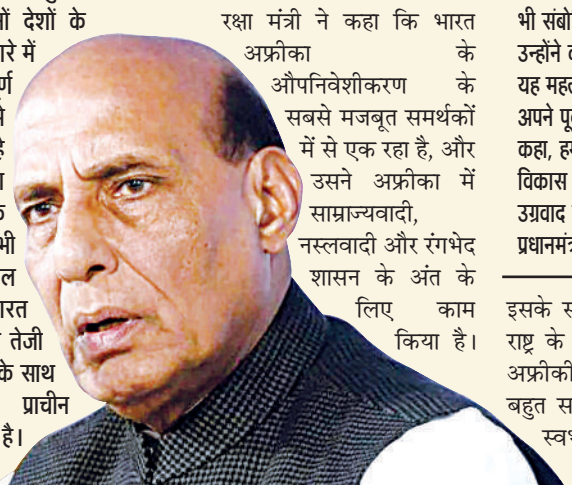

आतंक के खिलाफ साथ लड़ें : आर्मी चीफ

भारत-अफ्रीका सेना प्रमुखों के सम्मेलन को भारत के आर्मी चीफ जनरल मनोज पांडे ने भी संबोधित किया। जनरल पांडे ने भारत-अफ्रीका के रिश्तों को लेकर कई बातें कहीं। उन्होंने कहा, आज हम वैश्विक सहयोग और सहयोग के एक नए युग के मुहाने पर खड़े हैं। यह महत्वपूर्ण है कि हम एक-दूसरे के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को नवीनीकृत करें और अपने पूर्वजों द्वारा रखी गई मजबूत नींव पर निर्माण करना जारी रखें। जनरल पांडे ने कहा, हम आतंकवाद और हिंसक उग्रवाद के साझे खतरों का सामना करते हैं जो हमारे विकास लक्ष्यों को प्रतिकूल रूप से प्रभावित करने की क्षमता रखते हैं। आतंकवाद और उग्रवाद से निपटने में हमारे सहयोग और आपसी क्षमताओं को मजबूत करना 2018 में प्रधानमंत्री द्वारा घोषित अफ्रीका के साथ सहयोग के 10 मार्गदर्शक सिद्धांतों में से एक था।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।